संसद सदस्यों ने संसद पर आतंकवादी हमले की वर्षगांठ के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2017: उप-राष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री एम. वेंकैया नायडू; प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन के नेतृत्व में आज राष्ट्र ने 13 दिसम्बर, 2001 को आतंकवादी हमले से संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी ।

केन्द्रीय गृह मंत्री, श्री राजनाथ सिंह; केन्द्रीय वित्त और कारपोरेट कार्य मंत्री, श्री अरुण जेटली; केन्द्रीय विदेश मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज; केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री रवि शंकर प्रसाद; केन्द्रीय रक्षा मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण; केन्द्रीय रसायन और ऊर्वरक तथा संसदीय कार्य मंत्री, श्री अनंत कुमार; केन्द्रीय रेल और कोयला मंत्री, श्री पीयूष गोयल; पूर्व प्रधान मंत्री, डा. मनमोहन सिंह; राज्य सभा में विपक्ष के नेता, श्री गुलाम नबी आजाद;; राज्य सभा के उप सभापति, प्रोफेसर पी जे कुरियन; पूर्व उप प्रधानमंत्री और आचार समिति के सभापति, श्री लाल कृष्ण आडवाणी; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष, श्रीमती सोनिया गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष (निर्वाचित), श्री राहुल गांधी ने भी इन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

श्रद्धांजलि देने वाले अन्य व्यक्तियों में अनेक केन्द्रीय मंत्री; संसद के वर्तमान और पूर्व सदस्य और अन्य विशिष्टजन भी शामिल थे । लोक सभा की महासचिव, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव और राज्य सभा के महासचिव, श्री देश दीपक वर्मा ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसायटी ने संसद भवन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया ।

स्मरणीय है कि वर्ष 2001 में इसी दिन राज्य सभा सचिवालय के सुरक्षा सहायक, श्री जगदीश प्रसाद यादव और श्री मातबर सिंह नेगी; के.रि.पु.ब. में कांस्टेबल, श्रीमती कमलेश कुमारी; दिल्ली पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक, श्री नानक चन्द और श्री रामपाल; दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल, श्री ओम प्रकाश, श्री बिजेन्द्र सिंह और श्री घनश्याम; तथा के.लो.नि.वि. में माली, श्री देशराज ने आतंकवादी हमले से संसद की सुरक्षा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया था ।

सर्वश्री जगदीश प्रसाद यादव, मातबर सिंह नेगी और श्रीमती कमलेश कुमारी के नःस्वार्थ बलिदान के सम्मान में उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से अलंकृत किया गया था । सर्वश्री नानक चन्द, रामपाल, ओम प्रकाश, बिजेन्द्र सिंह और घनश्याम को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से अलंकृत किया गया था।